Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to take measures for welfare of fishermen and their families in the country

श्री विनायक भाउराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग): सभापति महोदय, देश में मछुआरों की हालत किसी से छुपी हुई नहीं है। आज के समय में मछुआरों को मछली पकड़ने के अतिरिक्त कोई व्यवसाय नहीं होने के कारण वह अपने परिवार का ठीक से भरण-पोषण नहीं कर पा रहे हैं और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं। मछुवारों की आर्थिक हालत ठीक न होने के कारण बचपन से ही अपने बच्चों को मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगा देते हैं। आज भी देश के मछुआरों के पास पक्के मकान नहीं हैं। इसकी वजह से उनको कोलीवाड़ा में रहना पड़ता है तथा यह कोलीवाड़ा समुंदर के किनारे ही बने होते हैं। समुंदर के किनारे होने के कारण ये लोग Costal Regulation Zone में आते हैं। इनका परिवार बदतर हालत में जीने को मजबूर है। मछुआरे अपनी नौकाओं को वर्षा के समय बारिश से बचाने के लिए प्लास्टिक इत्यादि चीजों का इस्तेमाल करते हैं। उचित साधन नहीं होने के कारण इनकी नौकाएं जल्दी खराब हो जाती हैं। इनके पास कोल्ड स्टोरेज नहीं होने के कारण इनकी पकड़ी मछली जल्दी खराब हो जाती है। इनकी परेशानी यहीं खत्म नहीं होती तथा मछुआरे मछली पकड़ने ज्यादातर खाड़ी इलाकों में जाते हैं, जिसमें कीचड़ होने के कारण मछली नहीं पकड़ पाते हैं। इस वजह से इनके व्यवसाय में कमी आ रही है। अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय जी से मांग करता हूँ कि मछुआरों के भरण-पोषण के लिए समय-समय पर सरकारी अनुदान दिया जाय। केरोसीन तथा पेट्रोल पर भी सब्सिडी दी जाए एवं कोल्ड स्टोरेज की उचित व्यवस्था की जाए। उन खाड़ी इलाकों की उचित सफाई की जाये, जहाँ पर मछुआरे मछली पकड़ने जाते हैं। सरकार मछुआरों के व्यवसाय को बढ़ाने और इनके बच्चों को उचित शिक्षा देने के लिए कोई उचित योजना बनायें, जिससे इनकी परेशानी जल्द से जल्द खत्म हो सके।